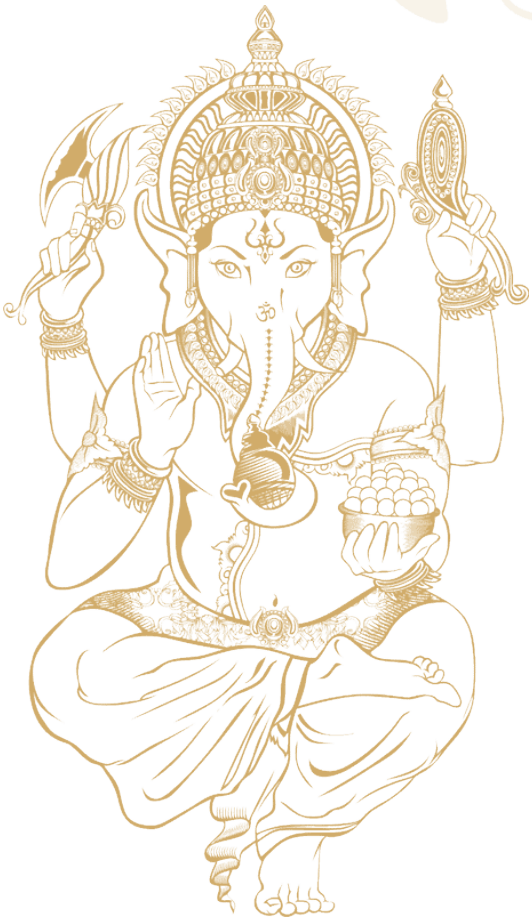

Mr.Munish Sharma

28 Oct 1986

10:56 PM

Simla

Model: Web-VarshKundli

Order No: 120150401

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
28/10/1986	जन्म तिथि	**28-29/10/2025**
मंगलवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 22:56:00	जन्म समय	01:07:24 घंटे
घटी 40:56:39	जन्म समय(घटी)	46:24:05 घटी
India	देश	India
Simla	स्थान	Simla
उत्तर 31:06:00	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
पूर्व 77:10:00	रेखांश	77:10:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:20	स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:33:20	सूर्योदय	06:33:45
17:37:42	सूर्यास्त	17:36:15
23:40:16	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:07
कर्क	लग्न	सिंह
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
सिंह	राशि	मकर
सूर्य	राशि-स्वामी	शनि
मघा	नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा
केतु	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
4	चरण	2
ब्रह्म	योग	धृति
बव	करण	वणिज
मे-मेहर	जन्म नामाक्षर	भो-भोली
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
क्षत्रिय	वर्ण	वैश्य
वनचर	वश्य	जलचर
मूषक	योनि	नकुल
राक्षस	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
मूषक	वर्ग	मूषक
39	गत/तत्कालिक वर्ष	40

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
पुनर्वसु	4	02:59:34	कर्क			लग्न			सिंह	00:34:47	1	मघा
स्वाति	2	11:19:24	तुला			सूर्य			तुला	11:25:24	2	स्वाति
मघा	4	13:19:18	सिंह			चंद्र			मक	01:29:04	2	उत्तराषाढ़ा
श्रवण	3	17:51:23	मक			मंगल			वृश्चि	00:59:13	4	विशाखा
अनुराधा	1	04:12:01	वृश्चि			बुध			वृश्चि	05:07:07	1	अनुराधा
शतभिषा	4	19:29:35	कुंभ	व		गुरु			कर्क	00:37:09	4	पुनर्वसु
विशाखा	2	23:23:28	तुला	व	अ	शुक्र			कन्या	24:22:13	1	चित्रा
अनुराधा	4	14:18:47	वृश्चि			शनि	व		मीन	01:43:46	4	पू०भाद्रपद
रेवती	4	27:10:05	मीन			राहु	व		कुंभ	22:47:56	1	पू०भाद्रपद
चित्रा	2	27:10:05	कन्या			केतु	व		सिंह	22:47:56	3	पू०फाल्गुनी
ज्येष्ठा	3	26:14:41	वृश्चि			मु		अ	तुला	02:59:34	3	चित्रा

वर्ष - विवरण

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:07

लग्न-चलित

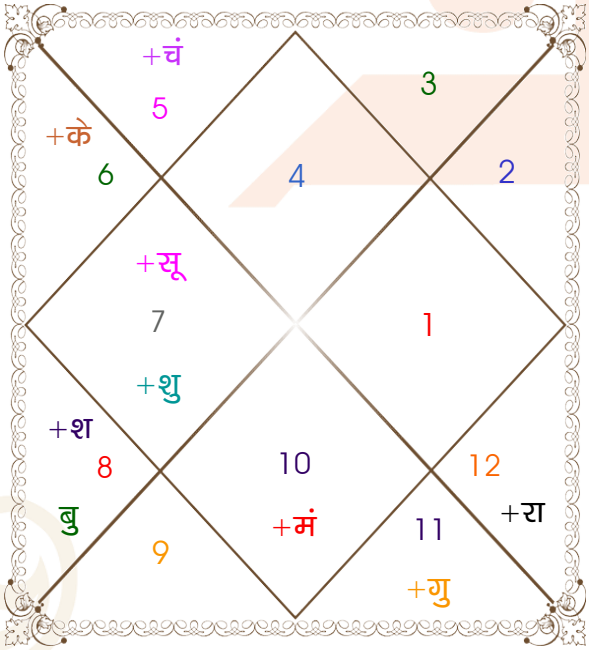

वर्ष लग्न कुंडली

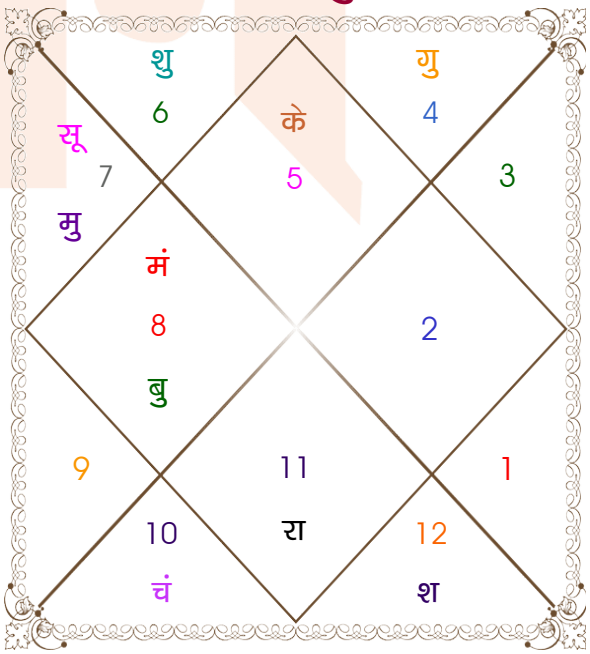

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

चन्द्र कुंडली

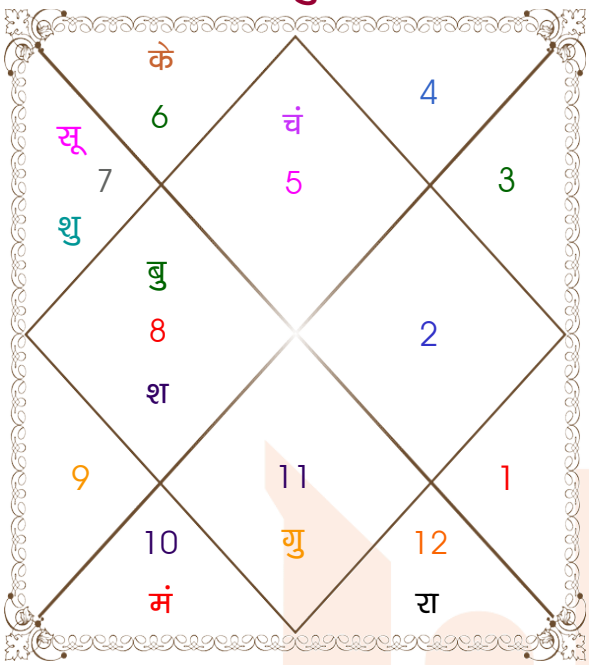

वर्ष चन्द्र कुंडली

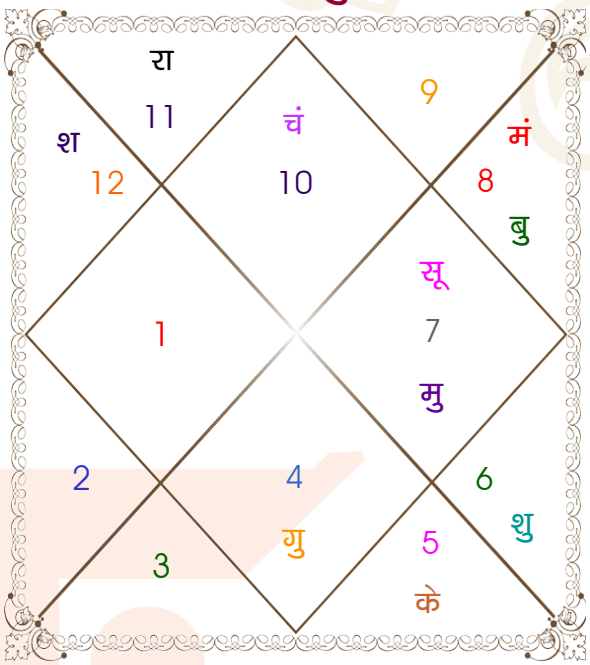

नवमांश कुंडली

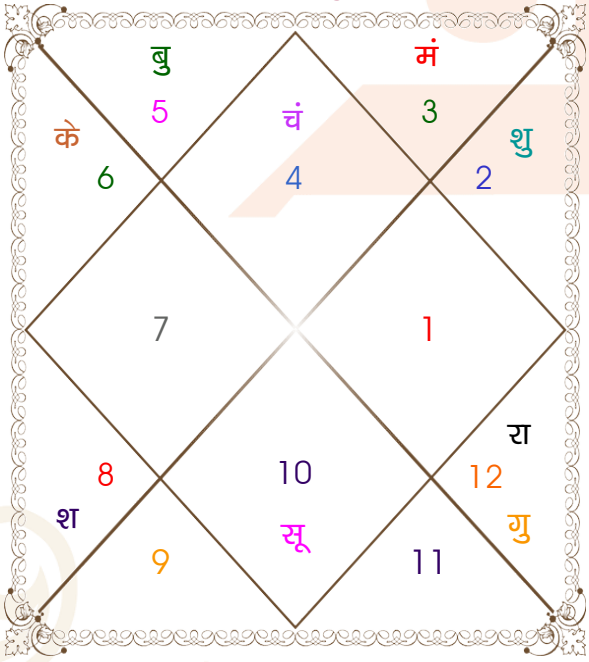

वर्ष नवमांश कुंडली

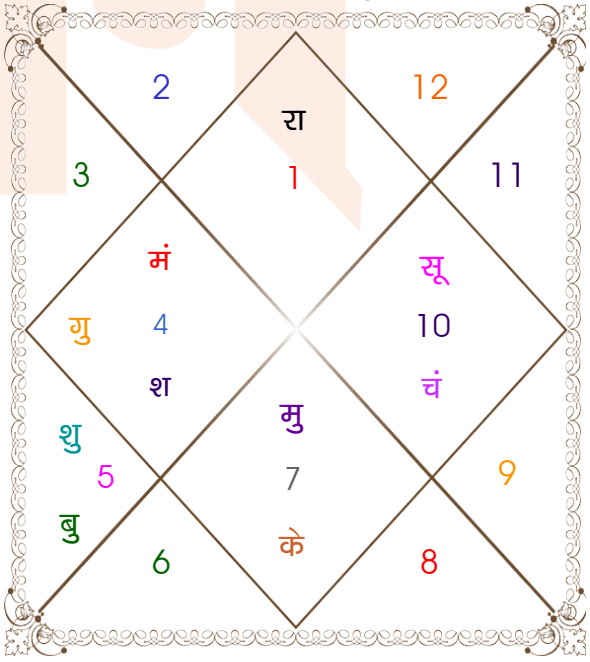

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	शत्रु	सम	सम	शत्रु	सम	सम
चन्द्र	शत्रु	---	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र
मंगल	सम	मित्र	---	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र
बुध	सम	मित्र	शत्रु	---	मित्र	मित्र	मित्र
गुरु	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	---	मित्र	मित्र
शुक्र	सम	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	---	शत्रु
शनि	सम	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सिंह	तुला	मक	वृश्चि	वृश्चि	कर्क	कन्या	मीन
होरा	सिंह	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क
द्रेष्काण	कुंभ	कुंभ	मीन	वृश्चि	वृश्चि	वृष	कन्या	मक
चतुर्थांश	सिंह	मक	मक	वृश्चि	वृश्चि	कर्क	मिथु	मीन
पंचमांश	मेष	कुंभ	वृष	वृष	वृष	वृष	वृश्चि	वृष
षष्ठांश	मेष	मिथु	तुला	तुला	वृश्चि	तुला	कुंभ	तुला
सप्तमांश	सिंह	धनु	कर्क	वृष	मिथु	मक	सिंह	कन्या
अष्टमांश	सिंह	कर्क	मेष	सिंह	कन्या	मेष	वृश्चि	वृष
नवमांश	मेष	मक	मक	कर्क	सिंह	कर्क	सिंह	कर्क
दशमांश	सिंह	मक	कन्या	कर्क	सिंह	मीन	मक	वृश्चि
एकादशांश	कर्क	मक	धनु	तुला	वृश्चि	मिथु	मेष	कुंभ
द्वादशांश	सिंह	कुंभ	मक	वृश्चि	मक	कर्क	मिथु	मीन

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सम	मित्र	स्व	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र
होरा	स्व	स्व	मित्र	मित्र	शत्रु	सम	मित्र
द्रेष्काण	सम	शत्रु	स्व	शत्रु	मित्र	मित्र	स्व
चतुर्थांश	सम	मित्र	स्व	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र
पंचमांश	सम	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु
षष्ठांश	सम	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु
सप्तमांश	शत्रु	स्व	मित्र	स्व	मित्र	सम	मित्र
अष्टमांश	शत्रु	मित्र	सम	स्व	मित्र	मित्र	शत्रु
नवमांश	सम	मित्र	मित्र	सम	शत्रु	सम	मित्र
दशमांश	सम	मित्र	मित्र	सम	स्व	शत्रु	मित्र
एकादशांश	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	स्व
द्वादशांश	सम	मित्र	स्व	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र
शुभ	1	10	11	5	7	7	9
सम	9	0	1	2	0	3	0
अशुभ	2	2	0	5	5	2	3
कुल	अशुभ	शुभ	शुभ	सम	शुभ	शुभ	शुभ

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	5	0	5	0	0
तृतीय बल	0	0	5	0	5	5	5
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल	0	5	10	5	10	10	10
बल	अतिक्षीण	क्षीण	सामान्य	क्षीण	सामान्य	सामान्य	सामान्य

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	15.00	22.50	30.00	7.50	7.50	22.50	22.50
उच्च बल	0.16	6.50	10.33	14.43	19.51	0.29	5.36
हददा बल	7.50	11.25	15.00	3.75	11.25	11.25	3.75
द्रेष्काण	5.00	2.50	10.00	2.50	7.50	7.50	10.00
नवमांश	2.50	3.75	3.75	2.50	1.25	2.50	3.75
कुल	30.16	46.50	69.08	30.68	47.01	44.04	45.36
विंशोपक	7.54	11.62	17.27	7.67	11.75	11.01	11.34
बल	सामान्य	शुभ	बली	सामान्य	शुभ	शुभ	शुभ

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	चंद्र	11.62	दृष्टि नहीं	
वर्ष लग्नाधिपति	सूर्य	7.54	शुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	शुक्र	11.01	दृष्टि नहीं	सूर्य
दिवापति	शनि	11.34	दृष्टि नहीं	
त्रिराशिपति	सूर्य	7.54	शुभ	

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

पात्यंश दशा

लग्न		गुरु		मंगल		चंद्र		शनि	
29/10/2025		06/11/2025		07/11/2025		12/11/2025		20/11/2025	
06/11/2025		07/11/2025		12/11/2025		20/11/2025		23/11/2025	
	29/10/2025	गुरु	06/11/2025	मंगल	07/11/2025	चंद्र	12/11/2025	शनि	20/11/2025
	29/10/2025	मंगल	06/11/2025	चंद्र	07/11/2025	शनि	13/11/2025	बुध	20/11/2025
	29/10/2025	चंद्र	06/11/2025	शनि	07/11/2025	बुध	14/11/2025	सूर्य	21/11/2025
	29/10/2025	शनि	06/11/2025	बुध	08/11/2025	सूर्य	16/11/2025	शुक्र	23/11/2025
	29/10/2025	बुध	06/11/2025	सूर्य	09/11/2025	शुक्र	19/11/2025	लग्न	23/11/2025
बुध	30/10/2025	सूर्य	06/11/2025	शुक्र	12/11/2025	लग्न	20/11/2025	गुरु	23/11/2025
सूर्य	02/11/2025	शुक्र	07/11/2025	लग्न	12/11/2025	गुरु	20/11/2025	मंगल	23/11/2025
शुक्र	06/11/2025	लग्न	07/11/2025	गुरु	12/11/2025	मंगल	20/11/2025	चंद्र	23/11/2025

बुध		सूर्य		शुक्र		शुक्र		शुक्र	
23/11/2025		13/01/2026		18/04/2026		18/04/2026		18/04/2026	
13/01/2026		18/04/2026		29/10/2026		29/10/2026		29/10/2026	
बुध	01/12/2025	सूर्य	07/02/2026	शुक्र	30/07/2026	शुक्र	30/07/2026	शुक्र	30/07/2026
सूर्य	14/12/2025	शुक्र	29/03/2026	लग्न	03/08/2026	लग्न	03/08/2026	लग्न	03/08/2026
शुक्र	10/01/2026	लग्न	31/03/2026	गुरु	04/08/2026	गुरु	04/08/2026	गुरु	04/08/2026
लग्न	11/01/2026	गुरु	31/03/2026	मंगल	07/08/2026	मंगल	07/08/2026	मंगल	07/08/2026
गुरु	11/01/2026	मंगल	02/04/2026	चंद्र	11/08/2026	चंद्र	11/08/2026	चंद्र	11/08/2026
मंगल	12/01/2026	चंद्र	04/04/2026	शनि	13/08/2026	शनि	13/08/2026	शनि	13/08/2026
चंद्र	13/01/2026	शनि	05/04/2026	बुध	09/09/2026	बुध	09/09/2026	बुध	09/09/2026
शनि	13/01/2026	बुध	18/04/2026	सूर्य	29/10/2026	सूर्य	29/10/2026	सूर्य	29/10/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

चंद्र		मंगल		राहु		गुरु		शनि	
29/10/2025		28/11/2025		19/12/2025		12/02/2026		02/04/2026	
28/11/2025		19/12/2025		12/02/2026		02/04/2026		30/05/2026	
चंद्र	31/10/2025	मंगल	29/11/2025	राहु	28/12/2025	गुरु	19/02/2026	शनि	11/04/2026
मंगल	02/11/2025	राहु	02/12/2025	गुरु	04/01/2026	शनि	26/02/2026	बुध	19/04/2026
राहु	06/11/2025	गुरु	05/12/2025	शनि	12/01/2026	बुध	05/03/2026	केतु	23/04/2026
गुरु	10/11/2025	शनि	09/12/2025	बुध	20/01/2026	केतु	08/03/2026	शुक्र	02/05/2026
शनि	15/11/2025	बुध	12/12/2025	केतु	23/01/2026	शुक्र	16/03/2026	सूर्य	05/05/2026
बुध	20/11/2025	केतु	13/12/2025	शुक्र	02/02/2026	सूर्य	19/03/2026	चंद्र	10/05/2026
केतु	21/11/2025	शुक्र	16/12/2025	सूर्य	04/02/2026	चंद्र	23/03/2026	मंगल	13/05/2026
शुक्र	26/11/2025	सूर्य	18/12/2025	चंद्र	09/02/2026	मंगल	25/03/2026	राहु	22/05/2026
सूर्य	28/11/2025	चंद्र	19/12/2025	मंगल	12/02/2026	राहु	02/04/2026	गुरु	30/05/2026

बुध		केतु		शुक्र		सूर्य		सूर्य	
30/05/2026		20/07/2026		11/08/2026		11/10/2026		11/10/2026	
20/07/2026		11/08/2026		11/10/2026		29/10/2026		29/10/2026	
बुध	06/06/2026	केतु	22/07/2026	शुक्र	21/08/2026	सूर्य	11/10/2026	सूर्य	11/10/2026
केतु	09/06/2026	शुक्र	25/07/2026	सूर्य	24/08/2026	चंद्र	13/10/2026	चंद्र	13/10/2026
शुक्र	18/06/2026	सूर्य	26/07/2026	चंद्र	29/08/2026	मंगल	14/10/2026	मंगल	14/10/2026
सूर्य	20/06/2026	चंद्र	28/07/2026	मंगल	01/09/2026	राहु	17/10/2026	राहु	17/10/2026
चंद्र	24/06/2026	मंगल	29/07/2026	राहु	11/09/2026	गुरु	19/10/2026	गुरु	19/10/2026
मंगल	27/06/2026	राहु	01/08/2026	गुरु	19/09/2026	शनि	22/10/2026	शनि	22/10/2026
राहु	05/07/2026	गुरु	04/08/2026	शनि	28/09/2026	बुध	25/10/2026	बुध	25/10/2026
गुरु	12/07/2026	शनि	08/08/2026	बुध	07/10/2026	केतु	26/10/2026	केतु	26/10/2026
शनि	20/07/2026	बुध	11/08/2026	केतु	11/10/2026	शुक्र	29/10/2026	शुक्र	29/10/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

मंगल - शनि - चंद्र		मंगल - शनि - मंगल		मंगल - शनि - राहु		मंगल - शनि - गुरु	
10/11/2025 11:54		14/12/2025 05:32		06/01/2026 20:17		08/03/2026 13:37	
14/12/2025 05:32		06/01/2026 20:17		08/03/2026 13:37		01/05/2026 13:03	
चंद्र	13/11/2025 07:22	मंगल	15/12/2025 14:35	राहु	15/01/2026 22:53	गुरु	15/03/2026 18:21
मंगल	15/11/2025 06:36	राहु	19/12/2025 03:36	गुरु	24/01/2026 01:12	शनि	24/03/2026 07:27
राहु	20/11/2025 08:02	गुरु	22/12/2025 07:10	शनि	02/02/2026 15:56	बुध	31/03/2026 22:58
गुरु	24/11/2025 19:59	शनि	26/12/2025 00:54	बुध	11/02/2026 06:24	केतु	04/04/2026 02:32
शनि	30/11/2025 04:11	बुध	29/12/2025 09:12	केतु	14/02/2026 19:24	शुक्र	13/04/2026 02:27
बुध	04/12/2025 22:53	केतु	30/12/2025 18:15	शुक्र	24/02/2026 22:18	सूर्य	15/04/2026 19:13
केतु	06/12/2025 22:07	शुक्र	03/01/2026 16:43	सूर्य	27/02/2026 23:10	चंद्र	20/04/2026 07:10
शुक्र	12/12/2025 13:03	सूर्य	04/01/2026 21:03	चंद्र	05/03/2026 00:37	मंगल	23/04/2026 10:44
सूर्य	14/12/2025 05:32	चंद्र	06/01/2026 20:17	मंगल	08/03/2026 13:37	राहु	01/05/2026 13:03

मंगल - बुध - बुध		मंगल - बुध - केतु		मंगल - बुध - शुक्र		मंगल - बुध - सूर्य	
01/05/2026 13:03		21/06/2026 20:33		12/07/2026 23:38		11/09/2026 08:28	
21/06/2026 20:33		12/07/2026 23:38		11/09/2026 08:28		29/09/2026 11:06	
बुध	08/05/2026 19:30	केतु	23/06/2026 02:08	शुक्र	23/07/2026 01:06	सूर्य	12/09/2026 06:12
केतु	11/05/2026 19:21	शुक्र	26/06/2026 14:38	सूर्य	26/07/2026 01:33	चंद्र	13/09/2026 18:25
शुक्र	20/05/2026 08:36	सूर्य	27/06/2026 16:00	चंद्र	31/07/2026 02:17	मंगल	14/09/2026 19:46
सूर्य	22/05/2026 22:10	चंद्र	29/06/2026 10:15	मंगल	03/08/2026 14:48	राहु	17/09/2026 12:58
चंद्र	27/05/2026 04:48	मंगल	30/06/2026 15:50	राहु	12/08/2026 16:07	गुरु	19/09/2026 22:55
मंगल	30/05/2026 04:38	राहु	03/07/2026 19:54	गुरु	20/08/2026 17:18	शनि	22/09/2026 19:44
राहु	06/06/2026 21:21	गुरु	06/07/2026 15:30	शनि	30/08/2026 06:42	बुध	25/09/2026 09:19
गुरु	13/06/2026 17:33	शनि	09/07/2026 23:48	बुध	07/09/2026 19:57	केतु	26/09/2026 10:40
शनि	21/06/2026 20:33	बुध	12/07/2026 23:38	केतु	11/09/2026 08:28	शुक्र	29/09/2026 11:06

मंगल - बुध - चंद्र		मंगल - बुध - मंगल		मंगल - बुध - राहु		मंगल - बुध - गुरु	
29/09/2026 11:06		29/10/2026 15:31		19/11/2026 18:36		13/01/2027 02:33	
29/10/2026 15:31		19/11/2026 18:36		13/01/2027 02:33		02/03/2027 09:37	
चंद्र	01/10/2026 23:28	मंगल	30/10/2026 21:06	राहु	27/11/2026 22:12	गुरु	19/01/2027 13:06
मंगल	03/10/2026 17:44	राहु	03/11/2026 01:10	गुरु	05/12/2026 04:04	शनि	27/01/2027 04:37
राहु	08/10/2026 06:24	गुरु	05/11/2026 20:46	शनि	13/12/2026 18:31	बुध	03/02/2027 00:49
गुरु	12/10/2026 06:59	शनि	09/11/2026 05:04	बुध	21/12/2026 11:14	केतु	05/02/2027 20:25
शनि	17/10/2026 01:41	बुध	12/11/2026 04:54	केतु	24/12/2026 15:18	शुक्र	13/02/2027 21:36
बुध	21/10/2026 08:18	केतु	13/11/2026 10:29	शुक्र	02/01/2027 16:38	सूर्य	16/02/2027 07:33
केतु	23/10/2026 02:34	शुक्र	16/11/2026 23:00	सूर्य	05/01/2027 09:50	चंद्र	20/02/2027 08:08
शुक्र	28/10/2026 03:18	सूर्य	18/11/2026 00:21	चंद्र	09/01/2027 22:29	मंगल	23/02/2027 03:45
सूर्य	29/10/2026 15:31	चंद्र	19/11/2026 18:36	मंगल	13/01/2027 02:33	राहु	02/03/2027 09:37

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा उनमें आपको वांछित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी इस समय उत्तम रहेगी तथा परिवारिक जनों के मध्य आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी। साथ ही सामाजिक प्रतिष्ठा एवं यश भी अर्जित करने में आप सफल रहेंगे। इस वर्ष में शत्रु एवं विरोधी पक्ष का दमन करने में आप समर्थ हैं। जिससे आपकी- विपक्षी आपसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। संतति पक्ष से भी आप इस समय पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की प्राप्ति की भी सम्भावना रहेगी। इसके अतिरिक्त दाम्पत्य संबंधों में भी मधुरता रहेगी एवं सभी से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही भौतिक सुख संसाधन भी उपलब्ध होंगे।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में आप आशातीत उन्नति करेंगे तथा इच्छित लाभ की भी आपको प्राप्ति होगी। साथ ही व्यापार में विस्तार या नवीन कार्य को भी आप प्रारंभ कर सकते हैं। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त होगा। तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त राजनैतिक महत्व के लोगों तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबंध रहेंगे तथा उनसे पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आप अपने सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करेंगे। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा समाज में अपना प्रभाव स्थापित करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही आपकी मान प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे। धार्मिक कार्यो के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा रहेगी तथा किसी शुभ एवं पुण्य कार्य को करने में आप रूचिशील रहेंगे।देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आप श्रद्धालु रहेंगे तथा श्रद्धा पूर्वक इनका पूजन करेंगे। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्य को करने में भी उद्यत रहेंगे तथा परोपकार सबंधी कार्यो में अपना सहयोग प्रदान करेंगे। इस समय आप स्वपराक्रम से विभिन्न प्रकार के सुख संसाधनों को भी अर्जित करेंगे।

इस वर्ष में भाइयों , मित्रों तथा संबधियों से आपको पूर्ण सुख सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा तथा इनके मध्य आपके मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी । इस समय राजनैतिक नेताओं या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको सहयोग मिलेगा तथा आपके लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। इसके साथ ही आपके मानसिक संकल्प भी इस समय पूर्ण होंगे तथा विगत रूके हुए कार्यो में भी आपको कार्य सिद्धि मिलेगी। साथ ही इस वर्ष में आप कोई तीर्थ यात्रा करने के भी इच्छुक रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं शान्तिपूर्ण रहेगा।

मासिक फलादेश

प्रथम मास
29/10/2025 01:07:24 से 28/11/2025 11:38:27 तक

इस मास में आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों को अर्जित करने में सफल होंगे।साथ ही समाज में आपका यश भी व्याप्त होगा।धर्म के प्रति आपके मन में आस्था होगी तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति श्रद्धा रखेंगे तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इस समय परोपकार की भावना भी आपके मन में उत्पन्न होगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग के आश्रय से आप पूर्ण यशार्जन करेंगे एवं आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। साथ ही भाइयों से भी आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आप अपने मानसिक विचारों या संकल्पों को पूर्ण करने में भी सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी आपको वांछित सहयोग प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि भी निर्मल होगी एवं सम्पूर्ण मास आप उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश अर्जित करेंगे।

द्वितीय मास
28/11/2025 11:38:27 से 28/12/2025 22:09:30 तक

इस मास में आप शुभ फल अधिक मात्रा में अर्जित करेंगे एवं अशुभ फल न्यून ही घटित होंगे। इसके प्रभाव से आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप सहयोग तथा आदर प्राप्त करेंगे एवं वे सभी आपसे संतुष्ट एवं प्रसन्न रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुजनों को आप पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे तथा उनसे सम्बन्ध भी मधुर रहेंगे।आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा उनकी सेवा एवं पूजन के कार्य को आप अवश्य सम्पन्न करेंगे। संतति पक्ष से आप सुखी रहेंगे तथा बन्धु एवं मित्रों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी ।साथ ही अपनी असफल आशाओं में भी सफलता प्राप्त करके मानसिक शान्ति एवं प्रसन्नता प्राप्त करेंगे। अतः यह मास आपके लिए शुभ फलदायक ही सिद्ध होगा।

साथ ही यदा कदा अशुभ फलों के प्रभाव से आप वातजन्य रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा को आंच आएगी एवं आप उसके लिए पश्चाताप करेंगे। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा धन हानि का योग भी बनता है। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

तृतीय मास
28/12/2025 22:09:30 से 28/01/2026 08:40:33 तक

इस महीने में आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों को प्राप्त करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज एवं समाजिक जनों के मध्य यशार्जन करने में भी आप समर्थ रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना विद्यमान रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे। साथ ही अन्य जनों का परोपकार करने के लिए भी आप उद्यत रहेंगे। आपका स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा तथा किसी भी प्रकार से आप शारीरिक या मानसिक कष्ट प्राप्त नहीं करेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे तथा उनके आश्रय से समाज में ख्याति अर्जित करेंगे।मित्र एवं भाइयों से इस मास आपको उचित सहयोग तथा सुख भी प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आपके मानसिक संकल्प भी इस समय पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त करेंगे एवं अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सफल बनाने में समर्थ रहेंगे। इस समय आप दूर या समीप की यात्रा भी कर सकते हैं जिससे आपको लाभ होगा। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्र तथा द्रव्यों को भी आप प्राप्त करेंगे या इनसे युक्त होंगे। अतः यह मास आपके लिए विशेष शुभ एवं आनंददायक रहेगा।

चतुर्थ मास
28/01/2026 08:40:33 से 27/02/2026 19:11:36 तक

यह मास आपके लिए पूर्ण रूपेण शुभ फल दायक रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे सन्तुष्ट एवं प्रसन्न रहेंगे।फलतः आप किसी सम्माननीय पद को प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे। धनार्जन इस समय प्रचुर मात्रा में होगा तथा सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको धन लाभ हो सकेगा। इस मास आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न होने की सम्भावना रहेगी। साथ ही स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा यत्नपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। समाज में इस समय आपकी यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकांश रूप से भाग्योदय सम्बन्धी कार्य सम्पन्न होंगे। इस मास आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा। साथ ही मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे। इस प्रकार आप सर्वत्र मानप्रतिष्ठा अर्जित करेंगे तथा सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक समय व्यतीत करेंगे।

साथ ही इस समय गृहस्थ सुख उत्तम रहेगा एवं नवीन वस्त्रों या अन्य द्रव्यों को प्राप्त करन में भी सफल रहेंगे एवं आनंदपूर्वक अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करेंगे।

पंचम् मास
27/02/2026 19:11:36 से 30/03/2026 05:42:39 तक

इस मास में आप उत्तम फल प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज से भी आपको यथोचित मान सम्मान एवं यश प्राप्त होगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा विधि पूर्वक आप इनका पूजन तथा सत्कार करेंगे। दूसरे लोगों की भलाई के लिए भी आप इस मास तत्पर रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा तथा मान प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त भाइयों से आपको इस समय पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा आपके मानसिक विचार एवं संकल्प भी पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं अपनी बुद्धिमता से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता भी अर्जित करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा भाव उत्पन्न होता रहेगा। इस प्रकार यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा।

षष्ठ मास
30/03/2026 05:42:39 से 29/04/2026 16:13:42 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा अतः इस समय शत्रु पक्ष से आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए वे अनावश्यक समस्याएं भी उत्पन्न करेंगे। साथ ही इस समय आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी तथा अनावश्यक व्यय भी होगा एवं शुभ कार्यो में विध्न बाधाएं भी उत्पन्न होंगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी एवं धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा तथा इसके अनुपालन में भी उपेक्षा का भाव रखेंगे। आप इस समय शरीर से भी अस्वस्थ रहेंगे एवं कई प्रकार से कष्ट भी प्राप्त करेंगे जिससे आपकी शारीरिक शक्ति में अल्पता आएगी। इस मास में आप दूर की किसी यात्रा को भी संम्पन्न कर सकते है। सांसारिक कार्यो में भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी धन व्यय होगा अतः मानसिक रूप से भी आप असन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त दोष से उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। इस समय किसी प्रकार का रक्त विकार भी हो सकता है तथा अग्नि आदि से भी आप धन हानि प्राप्त कर सकते है। अतः सतर्कता पूर्वक अपने समय को व्यतीत करें जिससे अनावश्यक कष्ट तथा बाधाएं उत्पन्न न हों।

सप्तम् मास
29/04/2026 16:13:42 से 30/05/2026 02:44:45 तक

यह मास आप सुख तथा शान्ति पूर्वक व्यतीत करेंगे परन्तु यदा कदा शारीरिक रूप से अस्वस्थ भी रहेंगे। इस समय आप अपने उत्साह एवं पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाएंगे। साथ ही समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी पूर्ण वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे यथोचित मान सम्मान भी

अर्जित करेंगे। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से भी आपको अनुकूल सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा। इस मास में आप मिष्ठान का उपयोग अधिक मात्रा में करेंगे।साथ ही आपका शत्रु वर्ग आपसे पूर्ण रूप से प्रभावित तथा भयभीत रहेगा एवं आपका सामना करने में वे असफल रहेंगे। इस समय स्त्री से भी आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो के द्वारा भी आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे तथा सम्पूर्ण मास सुख पूर्वक व्यतीत करेंगे।

साथ ही इस मास में आपको यदाकदा अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी।अतः आप गर्मी या पित्त द्वारा उत्पन्न होने वाले रोग से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रक्त विकार का योग भी बन सकता है। अतः इस मास में शारीरिक सुरक्षा पर पूर्ण ध्यान दें तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

अष्टम् मास
30/05/2026 02:44:45 से 29/06/2026 13:15:48 तक

इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को अर्जित करेंगे। इस समय शत्रुपक्ष से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे एवं घर में किसी प्रकार की चोरी आदि होने की भी संभावना रहेंगी। इस समय आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आप आर्थिक कष्ट प्राप्त कर सकते हैं। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का भाव ही अधिक रहेगा। इस मास में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं विविध प्रकार से आप शारीरिक तथा मानसिक कष्टों को प्राप्त करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होगी। इस समय आप दूर या समीप की कोई यात्रा भी सम्पन्न कर सकते हैं।आपके सांसरिक कार्य इस मास में अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी व्यय अधिक होगा। अतः सावधानी एवं सतर्कता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ आपको समय समय पर शुभफल भी प्राप्त होंगे।अतः आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं महिला सहयोगियों से भी लाभार्जन करेंगे। आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं धनार्जन प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। इस मास में धर्म का भी आप अनुपालन करेंगे तथा समाज में आपको पूर्ण यश प्राप्त होगा।

नवम् मास
29/06/2026 13:15:48 से 29/07/2026 23:46:51 तक

इस मास में आप अपने पराक्रम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। साथ ही परिवार एवं सामाजिक जनों से आपको यथोचित मान सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस समय आपके यश में भी अभिवृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा उनसे आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से आपको आश्रय प्राप्त होगा तथा इसी परिपेक्ष्य में आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में सफल हो सकेंगे। इस मास में आप मिष्ठान्न के प्रति भी अधिक रूचिशीलता का प्रदर्शन करेंगे।साथ ही आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं शारीरिक

बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रुवर्ग इस मास में आपका निर्बल रहेगा फलतः वे आपसे पराजित रहेंगे। स्त्री से भी आप सुख की प्राप्ति करेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापारादि कार्यो से भी आप अतिरिक्त आय अर्जित करने में सफल रहेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप वातजन्य रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही इस समय आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक अवहेलना होगी तथा बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप न्यूनाधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त होकर मध्यम रहेगा।

दशम् मास
29/07/2026 23:46:51 से 29/08/2026 10:17:54 तक

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल अल्प मात्रा में घटित होंगे। इस समय स्त्री तथा स्त्रीपक्ष से कष्ट प्राप्त करेंगे या पत्नी को किसी प्रकार के कष्ट होने की संभावना रहेगी। साथ ही शत्रुपक्ष से भी आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह में कमी आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक रूप से भी कमजोर रहेंगे। साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत ही परिश्रम के बाद अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे फलतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा बैचेन रहेंगे। शारीरिक अस्वस्थता के साथ साथ आपके मन में लोलुपता के भाव की भी वृद्धि होगी। अपने बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे एवं परस्पर मनमुटाव रहेगा। ऐसे समय में मित्र भी शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे। इसके अलावा समाज में अन्य लोगों के साथ वाद विवाद तथा संघर्ष होता रहेगा जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता का भाव रहेगा।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभफल भी घटित होंगे।अतः आप महिला वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही इस समय परिश्रम पूर्वक धनार्जन एवं लाभ प्राप्त करने में भी आप सफलता प्राप्त कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में भी आप की रूचि उत्पन्न होगी तथा समाज में न्यूनाधिक प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

एकादश मास
29/08/2026 10:17:54 से 28/09/2026 20:48:57 तक

यह मास आपके लिए सामान्य रूप से ही शुभ फलदायक रहेगा तथा अशुभ फल भी अल्प मात्रा में होते रहेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा हृदय से भी प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इस मास में आपके पराक्रम में पूर्ण वृद्धि होगी तथा शत्रु पक्ष को पराजित करने में आप सफल रहेंगे तथा आपके शत्रु आपसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। आप की आय स्त्रोतों में भी उन्नति होगी फलतः प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने में सफल रहेंगे। व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी आप

लाभार्जन करेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्य की भी वृद्धि होगी। साथ ही आपके विलम्बित कार्य भी इस मास में पूर्ण हो सकेंगे। मित्रों तथा बन्धुवर्ग से आपके संबध मधुर रहेंगे तथा सांसारिक कार्य भी समय पर सम्पन्न होते रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथा योग्य सम्मान प्राप्त होता रहेगा।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप वातजन्य रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आप कोई ऐसा कार्य करेंगे जिससे आपको पश्चाताप करना पड़ेगा तथा समाज में आपकी अवमानना होगी। इसके अतिरिक्त इस मास में अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार क्षति होने की संभावना है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

द्वादश मास
28/09/2026 20:48:57 से 29/10/2026 07:20:00 तक

यह मास आपके लिए अशुभ फल प्रदान करने वाला होगा तथापि अल्प मात्रा में शुभ फल भी प्राप्त होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा फलतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। साथ ही शत्रु भी आपसे बलवान रहेंगे एवं आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस मास में आपके घर में कोई चोरी भी हो सकती है अतः सावधान रहना चाहिए। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करें अन्यथा आपको दण्डित किया जा सकता है। इस समय आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक होगा फलतः आर्थिक दृष्टि से भी आप कष्ट प्राप्त कर सकते है। इसके साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा तथा समाज में भी आपके आदर में न्यूनता आएगी। बन्धु एवं मित्रों से आपका इस समय मन मुटाव रहेगा तथा मानसिक इच्छाएं अपूर्ण ही रहेंगी। अतः तनाव से बचने के लिए संयम पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में आप शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इससे आप श्रेष्ठजनों तथा उच्चाधिकारियों का सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आप नवीन वस्त्र या द्रव्य भी अर्जित कर सकेंगे तथा मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।